सीएसए उन्नत कृषि तकनीकों को लेकर कर रहा किसानों को जागरूक

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कोरोना संकट काल में किसानों को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाने एवं उन्नत कृषि तकनीकों के प्रयोग को लेकर निरंतर जागरूक करने में जुटा है। विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक रबी फसलों की कटाई एवं मड़ाई तथा जायद फसलों के प्रबंधन, पशुधन के समुचित रखरखाव एवं कृषि तकनीकी सलाह मोबाइल एवं अन्य माध्यमों से किसानों तक पहुंचा रहे है। इससे किसानों को जन धन हानि ना होने देने में मदद मिली है। विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. डीआर सिंह की पहल पर विश्वविद्यालय परिसर व कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक लगातार किसानों की सहायता व उन्हें सलाह देने के कार्य में लगे है। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार (समन्वयक) डॉक्टर एके सिंह ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को अब तक कृषि के विभिन्न पहलुओं पर 784 एडवाइजरी जारी की जा चुकी है। वैज्ञानिकों द्वारा 8918 किसानों के मोबाइल एवं व्हाट्सएप पर एडवाइजरी दी जा चुकी है। जबकि 48463 किसानों को संदेश एवं फोन द्वारा कृषि तकनीक से संबंधित एडवाइजरी बताई गई है। इसके अलावा 9135 किसानों ने कृषि विज्ञान केंद्रों के किसान कॉल सेंटर पर फोन करके भी जानकारी हासिल की है। स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से अभी किसानों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। कृषि विज्ञान केंद्र अलीगढ़ के प्रसार वैज्ञानिक डॉ. विनोद प्रकाश का कहना है कि यहां ऋषि वैज्ञानिकों ने लगभग 54 एडवाइजरी जारी की और किसानों की तरफ से अच्छी प्रतिक्रिया आ रही है। कन्नौज के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ वीके कनौजिया का कहना है कि जिले के आठ विकास खंडों में किसानों के अलग-अलग ग्रुप बनाए गए है, जिससे उन तक सुगमता से मोबाइल एवं व्हाट्सएप के माध्यम से सूचनाएं पहुंचाई जा रही है। इससे कोरोना कोरोना में किसान लाभान्वित हो रहे है।

8918 किसानों को व्हाट्सएप पर सलाह तथा 48463 किसानों को फोन पर दिए गए संदेश

अमर उजाला
सोमवार • 24.05.2021 05
kanpuramarujala.com

66516 किसानों तक पहुंची एडवाइजरी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के वैज्ञानिकों की एडवाइजरी कोरोना काल में 66516 किसानों तक पहुंची है। प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ. एके सिंह ने बताया कि वैज्ञानिकों ने किसानों को खेती-किसानी के विभिन्न विषयों पर 784 एडवाइजरी जारी की है। 8918 किसानों को व्हाट्सएप और 48463 किसानों को मैसेज और फोन से एडवाइजरी बताई गई है। (संवाद)

हिन्दुस्थान समाचार
586k फॉलोवर्स
☆ फॉलो

कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को संक्रमण से बचाव व उन्नत कृषि तकनीकी की दे रहे सलाह : डॉ ए. के. सिंह

23 May 21 . 8:42 PM

कानपुर, 23 मई (हि.स.)। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए पूरे प्रदेश एवं देश में लॉक डाउन के दौरान चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने विश्वविद्यालय लगातार किसानों की बेहतरी के लिए शोध कर रहे हैं। इसी क्रम में संस्थान द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों को रबी फसलों की कटाई एवं मड़ाई तथा जायद फसलों के प्रबंधन, पशुधन के समुचित रख-रखाव एवं कृषि तकनीक सलाह किसान भाइयों तक मोबाइल एवं अन्य माध्यमों द्वारा दी जा रही है ताकि किसान भाइयों/ पशुपालकों को वैज्ञानिक तकनीक एवं एडवाइजरी के माध्यम से जन-धन हानि न हो।

विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार (समन्वयक) डॉक्टर ए.के.सिंह ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों द्वारा किसान भाइयों को अब तक कृषि के विभिन्न पहलुओं पर 784 एडवाइजरी जा चुकी हैं। डॉक्टर सिंह ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा 8918 किसान भाइयों के मोबाइल एवं व्हाट्सएप पर एडवाइजरी दी जा चुकी है।

जबकि 48463 किसान भाइयों को संदेश एवं फोन द्वारा कृषि तकनीकी एडवाइजरी बताई गई है।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन कृषि विज्ञान केंद्रों के जनपदों के 9135 किसान भाइयों ने किसान कॉल सेंटर पर भी फोन करके जानकारी हासिल की है। इसके अतिरिक्त स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से भी किसान भाइयों तक तकनीकी एडवाइजरी पहुंचाई जा रही है। कृषि विज्ञान केंद्र अलीगढ़ के प्रसार वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश ने बताया कि जनपद अलीगढ़ में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा लगभग 54 एडवाइजरी जारी की जा चुकी हैं। किसान भाइयों की तरफ से भी अच्छी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं।

इसी क्रम में जनपद कन्नौज के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ वीके कनौजिया ने बताया कि जनपद के आठ विकासखंड हैं सभी विकास खंडों के किसान भाइयों के लिए अलग-अलग ग्रुप बना रखे हैं जिससे ज्यादातर किसान भाइयों तक एडवाइजरी सुगमता से मोबाइल एवं व्हाट्सएप के द्वारा पहुंचाई जा रही है। साथ ही समाचार पत्रों के माध्यम से भी किसान भाइयों तक नवीनतम कृषि तकनीक पहुंचाई जा रही हैं जिससे किसान भाई कोरोना काल में लाभान्वित हो रहे हैं।

हिन्दुस्थान समाचार/अजय

आज
कानपुर
24 मई , 2021
5

फसलों की कटाई-मड़ाई की तकनीकी जानकारी दी

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 23 मई। कोरोनावायरस के संक्रमण को रोकने के लिए पूरे प्रदेश एवं देश में लाकडाउन के दौरान चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों को रबी फसलो की कटाई एवं मड़ाई तथा जायद फसलों के प्रबंधन एवं पशुधन के समुचित रखरखाव एवं कृषि तकनीक सलाह किसान भाइयों तक मोबाइल एवं अन्य माध्यमों के द्वारा पहुंचाने के निर्देश दिए थे। कृषि वैज्ञानिक ने किसानों और पशुपालकों को वैज्ञानिक तकनीक एवं एडवाइजरी भी जारी की है। सीएसए के निदेशक प्रसार (समन्वयक) डॉ ए.के.सिंह ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों द्वारा किसान भाइयों को अब तक कृषि के विभिन्न पहलुओं पर 784 एडवाइजरी जा चुकी हैं। डॉ सिंह ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा 8918 किसान भाइयों के मोबाइल एवं व्हाट्सएप पर एडवाइजरी दी जा चुकी है। जबकि 48463 किसान भाइयों को संदेश एवं फोन द्वारा कृषि तकनीकी एडवाइजरी बताई गई है।उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन कृषि विज्ञान केंद्रों के जनपदों के 9135 किसान भाइयों ने किसान कॉल सेंटर पर भी फोन करके जानकारी हासिल की है। इसके अतिरिक्त स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से भी किसान भाइयों तक तकनीकी एडवाइजरी पहुंचाई जा रही है। कृषि विज्ञान केंद्र अलीगढ़ के प्रसार वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश ने बताया कि जनपद अलीगढ़ में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा लगभग 54 एडवाइजरी जारी की जा चुकी हैं। किसान भाइयों की तरफ से भी अच्छी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इसी क्रम में जनपद कन्नौज के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ वीके कनौजिया ने बताया कि जनपद के आठ विकासखंड हैं सभी विकास खंडों के किसान भाइयों के लिए अलग-अलग ग्रुप बना रखे हैं जिससे ज्यादातर किसान भाइयों तक एडवाइजरी सुगमता से मोबाइल एवं व्हाट्सएप के द्वारा पहुंचाई जा रही है। साथ ही किसानों तक नवीनतम कृषि तकनीक पहुंचाई जा रही हैं जिससे किसान भाई कोरोना काल में लाभान्वित हो रहे हैं।

डॉ ए.के.सिंह

■ कोरोना संक्रमण से बचाव एवं उन्नत कृषि तकनीकी सलाह देने के साथ डॉ.ए.के.सिंह ने की चर्चा

कृषि विज्ञान केंद्रों ने किसानों को कोरोना से बचाव के साथ उन्नत कृषि तकनीकी की दी सलाह

24/05/2021 सांध्य हलचल

कानपुर। कोरोनावायरस के संक्रमण को रोकने के लिए पूरे प्रदेश एवं देश में लाक डाउन के दौरान सीएसए के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह ने विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों को रबी फसलो की कटाई एवं मड़ाई तथा जायद फसलों के प्रबंधन एवं पशुधन के समुचित रखरखाव एवं कृषि तकनीक सलाह किसान भाइयों तक मोबाइल एवं अन्य माध्यमों के द्वारा पहुंचाने के निर्देश दिए थे। जिससे किसान भाइयों/पशुपालकों को वैज्ञानिक तकनीक एवं एडवाइजरी के माध्यम से जन-धन हानि न हो। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार(समन्वयक) डॉक्टर ए.के.सिंह ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों द्वारा किसान भाइयों को अब तक कृषि के विभिन्न पहलुओं पर 784 एडवाइजरी जा चुकी हैं। डॉक्टर सिंह ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा 8918 किसान भाइयों के मोबाइल एवं व्हाट्सएप पर एडवाइजरी दी जा चुकी है।जबकि

48463 किसान भाइयों को संदेश एवं फोन द्वारा कृषि तकनीकी एडवाइजरी बताई गई है ।उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन कृषि विज्ञान केंद्रों के जनपदों के 9135 किसान भाइयों ने किसान कॉल सेंटर पर भी फोन करके जानकारी हासिल की है। इसके अतिरिक्त स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से भी किसान भाइयों तक तकनीकी एडवाइजरी पहुंचाई जा रही है। कृषि विज्ञान केंद्र अलीगढ़ के प्रसार वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश ने बताया कि जनपद अलीगढ़ में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा लगभग 54 एडवाइजरी जारी की जा चुकी हैं। किसान भाइयों की तरफ से भी अच्छी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इसी क्रम में जनपद कन्नौज के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ वीके कनौजिया ने बताया कि जनपद के आठ विकासखंड हैं सभी विकास खंडों के किसान भाइयों के लिए अलग-अलग ग्रुप बना रखे हैं जिससे ज्यादातर किसान भाइयों तक एडवाइजरी सुगमता से मोबाइल एवं व्हाट्सएप के द्वारा पहुंचाई जा रही है। साथ ही समाचार पत्रों के माध्यम से भी किसान भाइयों तक नवीनतम कृषि तकनीक पहुंचाई जा रही हैं जिससे किसान भाई कोरोना काल में लाभान्वित हो रहे हैं।